भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1052

सोमवार, 2 दिसम्बर, 2024/11 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आन्ध्र प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन

†1052. श्री जी. एम. हरीश बालयोगीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आन्ध्र प्रदेश राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) आन्ध्र प्रदेश राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण हेतु चलाए जा रहे कार्यक्रमों का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने पर्यटन प्रयोजनों हेतु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों के लोगों के क्षमता निर्माण के लिए कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो विगत पांच वर्षों के दौरान ऐसी योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित की गईं महिलाओं सहित लोगों की संख्या का राज्य-वार और जिला-वार, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश राज्य के डॉ. बी. आर. अम्बेडकर कोनासीमा जिले का ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) विगत पांच वर्षों के दौरान उक्त योजना के अंतर्गत आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का राज्य-वार, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश सहित वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटन मंत्रालय, संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों एवं महोत्सवों के आयोजन हेतु राज्य सरकारों को सहायता आदि के साथ-साथ विभिन्न पहलों के माध्यम से, एक पर्यटक गंतव्य के रूप में भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से भी आन्ध्र प्रदेश और उसके उत्पादों सहित विभिन्न पर्यटक गंतव्यों का संवर्धन करता है।

देश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावना को ध्यान में रखते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने भारत में ग्रामीण पर्यटन के विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप तथा होमस्टे के संवर्धन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है।

ग्रामीण पर्यटन वाले गांवों में प्रचलित सर्वोत्तम कार्य पद्धतियों को चिह्नित करने के लिए, मंत्रालय ने वर्ष 2023 में सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण पर्यटन ग्राम प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत ग्रामीण परिपथ को विषयगत परिपथ में से एक के रूप में चिह्नित किया है।

(ख) से (ड़): पर्यटन मंत्रालय 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (सीबीएसपी)' नामक अपनी योजना के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश सहित देश में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विभिन्न संस्थानों के माध्यम से अल्पावधिक कौशल प्रमाणन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, ताकि अपार पर्यटन संभावना का पूर्ण रूप से लाभ उठाया जा सके और स्थानीय आबादी को नए और मौजूदा सेवाप्रदाताओं के रूप में व्यावसायिक विशेषज्ञता प्रदान कर उन्हें अधिक से अधिक रोजगार के योग्य बनाया जा सके।

सीबीएसपी योजना के तहत आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सभी समुदायों के उम्मीदवारों के लिए हुनर से रोजगार तक (क्षमता निर्माण), कौशल परीक्षण और प्रमाणन (पुनः कौशल), उद्यमिता कार्यक्रम, संवेदीकरण कार्यक्रम/पर्यटन जागरूकता कार्यक्रम आदि शामिल हैं। विगत पांच वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश सहित देश में प्रतिपूर्ति की गई निधियों और महिलाओं सहित प्रशिक्षित व्यक्तियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष	**प्रतिपूर्ति की गई निधियाँ (राशि करोड़ रु. में)**	**प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या**
2019-20	21.42	32,458
2020-21	23.51	12,085
2021-22	21.22	22,034
2022-23	15.71	21,641
2023-24	21.68	24,153
2024-25*	4.75*	30,230*

* वित्तीय वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े।

****